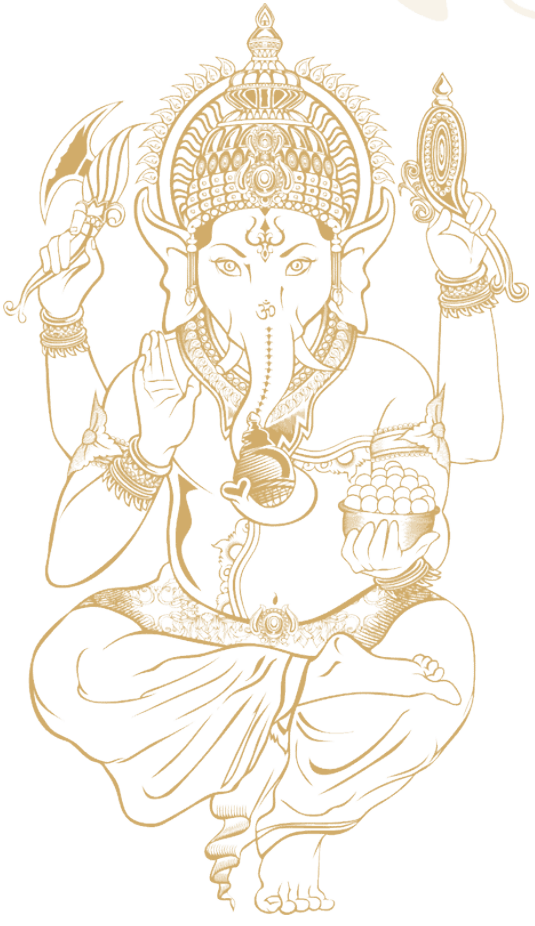

Mr.kudret

11 Jul 2025

02:07 PM

Sangrur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119034904

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/07/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:07:00 घंटे**
इष्ट	21:24:25 घटी
स्थान	**Sangrur**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:14:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:40:20 घंटे
वेलान्तर	-00:05:33 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:23 घंटे
सूर्योदय	05:33:13 घंटे
सूर्यास्त	19:30:48 घंटे
दिनमान	13:57:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	25:05:48 मिथुन
लग्न के अंश	14:12:28 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:12:28	306:07:21	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			मिथु	25:05:48	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	सम राशि
चंद्र			मक	01:03:52	12:56:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	19:37:08	00:35:30	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			कर्क	19:32:16	00:31:06	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	12:56:59	00:13:31	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	13:14:15	01:07:05	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			मीन	07:43:01	00:00:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:50:16	00:09:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:50:16	00:09:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:57:41	00:02:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:56:59	00:00:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:41:56	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:55:10	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:52

लग्न-चलित

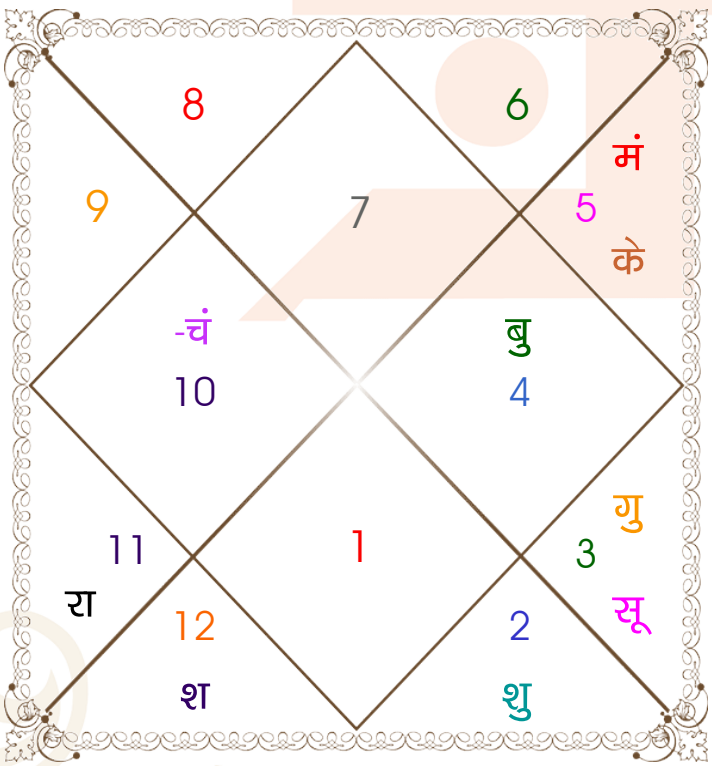

चन्द्र कुंडली

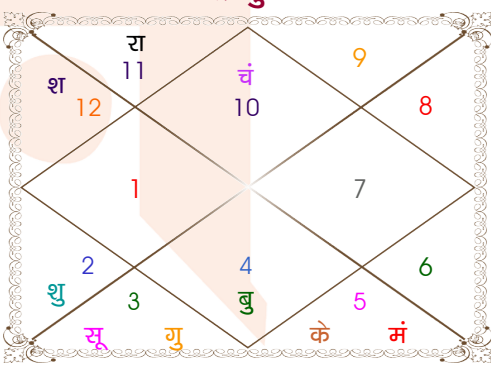

नवमांश कुंडली

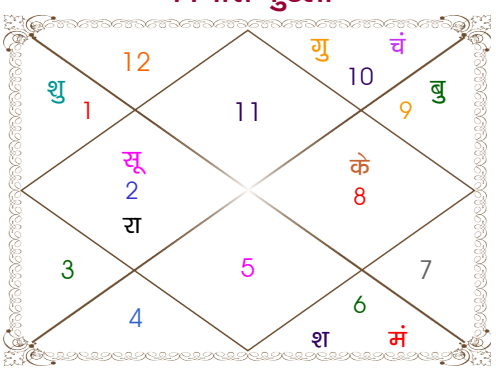

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 0 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/07/2025		19/07/2029		19/07/2039		19/07/2046		19/07/2064	
19/07/2029		19/07/2039		19/07/2046		19/07/2064		19/07/2080	
	00/00/0000	चंद्र	19/05/2030	मंगल	15/12/2039	राहु	31/03/2049	गुरु	06/09/2066
	00/00/0000	मंगल	18/12/2030	राहु	02/01/2041	गुरु	25/08/2051	शनि	19/03/2069
	11/07/2025	राहु	18/06/2032	गुरु	09/12/2041	शनि	01/07/2054	बुध	25/06/2071
राहु	06/08/2025	गुरु	18/10/2033	शनि	18/01/2043	बुध	17/01/2057	केतु	31/05/2072
गुरु	25/05/2026	शनि	19/05/2035	बुध	15/01/2044	केतु	05/02/2058	शुक्र	30/01/2075
शनि	07/05/2027	बुध	18/10/2036	केतु	12/06/2044	शुक्र	04/02/2061	सूर्य	18/11/2075
बुध	13/03/2028	केतु	19/05/2037	शुक्र	12/08/2045	सूर्य	30/12/2061	चंद्र	19/03/2077
केतु	19/07/2028	शुक्र	18/01/2039	सूर्य	18/12/2045	चंद्र	01/07/2063	मंगल	23/02/2078
शुक्र	19/07/2029	सूर्य	19/07/2039	चंद्र	19/07/2046	मंगल	19/07/2064	राहु	19/07/2080

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/07/2080		19/07/2099		20/07/2116		20/07/2123		20/07/2143	
19/07/2099		20/07/2116		20/07/2123		20/07/2143		00/00/0000	
शनि	22/07/2083	बुध	16/12/2101	केतु	16/12/2116	शुक्र	19/11/2126	सूर्य	07/11/2143
बुध	31/03/2086	केतु	13/12/2102	शुक्र	15/02/2118	सूर्य	19/11/2127	चंद्र	07/05/2144
केतु	10/05/2087	शुक्र	13/10/2105	सूर्य	23/06/2118	चंद्र	20/07/2129	मंगल	12/09/2144
शुक्र	10/07/2090	सूर्य	19/08/2106	चंद्र	22/01/2119	मंगल	19/09/2130	राहु	12/07/2145
सूर्य	22/06/2091	चंद्र	19/01/2108	मंगल	20/06/2119	राहु	19/09/2133		00/00/0000
चंद्र	20/01/2093	मंगल	15/01/2109	राहु	07/07/2120	गुरु	20/05/2136		00/00/0000
मंगल	01/03/2094	राहु	04/08/2111	गुरु	13/06/2121	शनि	20/07/2139		00/00/0000
राहु	05/01/2097	गुरु	09/11/2113	शनि	23/07/2122	बुध	20/05/2142		00/00/0000
गुरु	19/07/2099	शनि	20/07/2116	बुध	20/07/2123	केतु	20/07/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।